HE

LMV - Advance Module

सुरक्षित ड्राइविंग

ड्राइविंग मैन्युअल और सड़क के नियम

सुरक्षित ड्राइविंग

ड्राइविंग मैन्युअल और सड़क के नियम

प्राक्कथन

आज भारतवर्ष देश उन्नति की चोटियों को छू रहा है। वहीं दूसरी तरफ तरह–तरह की समस्याएं भी उजागर हो रही हैं। बहुत से नौजवान वाहन चलाते वक्त शराब पीकर, सिगरेट, तम्बाकू और मोबाइल का इस्तेमाल करते हैं, जिसके कारण जान और सम्पति को नुकसान पहुँचता है।

यहां रोजाना समाचार आते हैं जिसमें बहुत से लापरवाह चालकों से दुर्घटनाएं हो जाती हैं व बहुत से लोग मर जाते हैं और जख्मी हो जाते हैं। हमें इसलिए सावधान रहना चाहिए ताकि हम इस श्रृंखला का हिस्सा न बन जाएं।

हमें ऐसे समाज का निमार्ण करना है जिसमें चालकों को शिक्षा द्वारा निपुण बनाया जा सके ताकि पदयात्री निडर होकर सड़को का प्रयोग करें। हम में से हर एक को अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए, ताकि भविष्य में हमारे देश की सड़कें दुर्घटनामुक्त हो। यही हमारा मुख्य लक्ष्य होना चाहिए।

प्रकाशकः हयूवर्ट एबनर (इण्डिया) प्रा0 लि0
सी–18, चिराग एन्कलेव
नई दिल्ली–110048
फोन (011) 46107654
ई–मेल–driving@he-india.com वेबसाइटः www.he-india.com
© सर्वाधिकार सुरक्षित

पहला संस्करणः मार्च 2000
दूसरा संस्करणः अक्टूबर 2003
तीसरा संस्करणः अप्रैल 2004
चौथा संस्करणः नवम्बर 2005
पांचवा संस्करणः सितम्बर 2006
छठा संस्करणः अगस्त 2007
सातवॅा संस्करणः जुलाई 2009

प्रकाशक की बिना अनुमति के इस पुस्तिका का कोई भी भाग प्रकाशित नहीं किया जा सकता है। न ही बिना इजाजत, किसी को रद्दोबदल करके या किसी दूसरे रूप में इलैक्ट्रॉनिक, मैकेनिकल, रिकार्डिंग अन्य के जरिए इस्तेमाल किया जा सकता है। इस पुस्तिका को किसी के द्वारा किराए पर उपलब्ध कराने की अनुमति नहीं है।

सूची–क्रम

■ LMV - बेसिक 1.24

जिम्मेदार ड्राइवर 1.10
- ड्राइवर की जिम्मेदारियां 1
- आवश्यक दस्तावेज 1
- ड्राइविंग लाइसेन्स 2
- मोटार गाड़ी का पंजीकरण 2
- भार लादना और चढ़ाना 4
- गाड़ी और यात्रियों की सुरक्षा 5
- सामाजिक जिम्मेदारी 6
- अच्छे ड्राइवर के गुण 6
- स्वास्थ और उपयुक्तता 7
- जानकारी, प्रशिक्षण, कुशलता और अनुभव 9
- सड़क के नियमों का उल्लंघन और जुर्माना 10

गाड़ी के बारे में जानकारी की आवश्यकता और रखरखाव 11.14
- गाड़ी का रखरखाव 11

ब्रेकडाउन/दुर्घटना/टो करना 15.18
- ब्रेकडाउन 15
- दुर्घटना 16
- टो करना 17

प्राथमिक चिकित्सा 19.24
- सड़क दुर्घटना में हुए घायलों के लिए प्राथमिक चिकित्सा 19
- सिर की चोट 19
- गले और स्पाइनल में चोट 20
- छाती पर चोट लगने के लक्षण 21
- फ्रैक्चर के लक्षण 21
- बाह्य घाव या चोट, कट और खरोच 22
- आग लगना 23

■ LMV - 1 25.48

वाहन गतिविज्ञान 27.30
- गुरुत्वाकर्षण 27
- गतिक ऊर्जा 27
- वाहन की गति 28
- गाड़ी का डिज़ाइन 28
- सड़क की सतह के साथ टायरों का खिंचाव 28
- सड़क की स्थिति 29
- सड़क इंजीनियरिंग 29
- भार 30
- ब्रेक लगाने की प्रणाली 30

कठिन परिस्थितियों में ड्राइव करना 31.38
- सड़क की परिस्थितियां 31
- मौसम की विपरीत स्थितियां 33

सूची–क्रम

खतरे का बोध **39.44**
- खतरे का बोध 39
- धीमा करना और ब्रेक लगाने का प्रबंध 42
- दृश्यता 43

आपात स्थितियाँ **45.48**
- टायर का विस्फोट होना 45
- ब्रेक फेल होना 46
- बोनट का उड़ जाना 46
- बचाव की प्रतिक्रियाएं 46
- गाड़ी में आग लगना 46
- फ़िसलना 47
- टेलगेटिंग 48

LMV - 2 **49.68**

वाहन तकनीक और रखरखाव **51.68**
- सामान्य 51
- मोटर वाहन के भाग 51
- मोटर वाहन के विभिन्न सिस्टम 51
- चालन नियंत्रण 55
- मोटर वाहन को जांच करना 60
- रोकथाम रखरखाव 63
- वाहन रखरखाव 64
- ट्रबल षूटिंग 66

LMV - 3 **69.80**

शोफर के व्यवहारिक गुण **71.80**
- एक शोफर की भूमिका 71
- कानूनी पहलू 71
- ग्राहक संबंध 72
- गाड़ी की देखरेख और स्वच्छता 74
- परिवहन दायित्व 75
- व्यक्तिगत दिखावट 75
- विशेष यात्रियों जैसे प्रमुख व्यक्ति, बच्चे, बुजुर्ग, विकलांग आदि की देखभाल 77
- समस्या क्षेत्र 78
- दुर्घटनाएँ/ब्रेकडाउन 79

जिम्मेदार ड्राइवर

सुरक्षित रूप से ड्राइव करना वह कुशलता है जिसमें अच्छे प्रशिक्षण की ज़रूरत होती है और उसमें अत्यधिक जिम्मेदारी होती है। उसमें प्रशासनिक, सामाजिक, गाड़ी, यात्री और सामान की सुरक्षा, से संबंधित जिम्मेदारी भी है। एक मोटर कार को चलाने के लिए आपके पास एक मान्य ड्राइविंग लाइसेन्स, पंजीकृत और बीमा की हुई गाड़ी होनी चाहिए जो सड़क पर चलाने के लायक हो।

एक अच्छे ड्राइवर को अच्छी सेहत रखनी चाहिए। सड़क के अन्य उपयोगकर्ताओं के प्रति अच्छा बरताव करना चाहिए और सड़क पर उसे प्रतिरक्षात्मक ड्राइविंग करना चाहिए। स्वस्थ रहना ड्राइवर की नैतिक जिम्मेदारी है। सुरक्षित रूप से ड्राइव करने की अपनी क्षमता और सुयोग्यता को घटाने वाले कारकों और परिस्थितियों से सावधान रहना चाहिए।

» ड्राइवर की जिम्मेदारियां

एक ड्राइवर निम्नलिखित के लिए जिम्मेदार होता है:

- जिस गाड़ी को वह चला रहा है उसे चलाने के लिए उसके पास एक मान्य ड्राइविंग लाइसेंस होना चाहिए।
- गाड़ी पंजीकृत होनी चाहिए। गाड़ी चलाते समय हमेशा आवश्यक दस्तावेज, एक प्राथमिक चिकित्सा बक्सा, और एक चेतावनी त्रिकोण अपने पास रखना चाहिए।
- वाहन को फिट रखना – यह चालक का कर्तव्य है कि वह गाड़ी को सड़क पर चलाने योग्य स्थिति में बनाए रखे।
- सामान को सुरक्षित रूप से परिवहन करने के अलावा यात्रियों को सुरक्षित रूप से एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचाना एक ड्राइवर का कर्तव्य है। उसे यह निश्चित करना चाहिए कि लदा गया सामान सुरक्षित हैं और गाड़ी पर अधिक भार तो नहीं लादा गया है।
- उसे सतर्क रहना चाहिए और सभी परिस्थितियों और शर्तों में भौतिक रूप से गाड़ी चलाने में सुयोग्य (थकावट, मद्यपान और विचलण के बिना) रहना चाहिए। उसे हमेशा सड़क के नियमों का पालन करना चाहिए।
- गाड़ी में सही और सुविधापूर्ण रूप से बैठने की स्थिति होनी चाहिए जिससे गाड़ी को ठीक तरह नियंत्रित कर सकें और पेंडल तक पहुँच सकें और स्टीरिंग व्हील को सरलता के साथ बिना किसी कठिनाई के घुमा सकें।
- हमेशा सीटबेल्ट का प्रयोग करना चाहिए।
- सड़क और यातायात की स्थिति सुनिश्चित कर लें कि वह एक अच्छी और साफ सड़क है और सड़क के यातायात उपयुक्त है। विंडस्क्रिन को साफ और ड्राइविंग शीशों को सही तरीके से व्यवस्थित करें।
- गाड़ी को पर्यावरण के अनुरूप प्रयोग करें। अचानक एक्सिलेटर और ब्रेक लेने से बचें। प्रदूषण से बचने के लिए धीरे–धीरे चलें।

» आवश्यक दस्तावेज

एक व्यावसायिक ड्राइवर को उस गाड़ी के सभी आवश्यक दस्तावेजों से परिचित होना चाहिए जिसे वह चला रहा है और उन सभी व्यक्तिगत कागज़ातों का ज्ञान होना चाहिए जो उसे एक प्रशिक्षित ड्राइवर घोषित करता है। सभी दस्तावेजों को अपडेटेड रखना उसकी जिम्मेदारी है। जैसे कि ड्राइविंग लाइसेन्स, सड़क कर और परमिट आदि।

ड्राइवर को सड़क के नियमों और विनियमों से उसे अच्छी तरह परिचित होना चाहिए।

गाड़ी चलाते समय ड्राइवर को निम्नलिखित दस्तावेजों को साथ में रखना अत्यंत आवश्यक है:

- एक मान्य ड्राइविंग लाइसेन्स
- गाड़ी का रेजिस्ट्रेशन प्रमाण–पत्र
- आवश्यकतानुसार सड़क कर प्रमाण–पत्र
- बीमा पत्र
- प्रदूषण नियंत्रण का प्रमाण–पत्र
- प्राधिकरण/परमिट और गाड़ी के फिटनेस का प्रमाणपत्र (केवल परिवहन और वाणिज्यिक वाहनों के लिए प्रयुक्त)

जिम्मेदार ड्राइवर

कोई भी पुलिस अधिकारी या यातायात विभाग से परवर्तन अधिकारी और कंपनी के प्राधिकृत अधिकारी इन दस्तावेजों को किसी भी समय जाँच कर सकते हैं।

एक फोटोकॉपी को तभी स्वीकार किया जा सकता है यदि वह किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा सत्यापित हो।

मान्य दस्तावेजों को प्रस्तुत नहीं करना दण्डयोग्य अपराध है और इसके लिए गाड़ी को पुलिस द्वारा बन्द भी जा सकता है।

» ड्राइविंग लाइसेन्स

जिसके पास एक मान्य ड्राविंग लाइसेन्स है वह निम्नलिखित में से एक या एक से अधिक प्रकार के वाहन चला सकता है:

- गियर के बिना मोटारसाइकिल
- गियर वाली मोटारसाइकिल
- तीन पहीये वाली गाड़ी
- हल्का मोटर वाहन (निजि/कमर्शियल)
- परिवहन गाड़ी (सामान/यात्री)
- एक विशिष्ट प्रकार की मोटर गाड़ी

ड्राइविंग लाइसेन्स की मान्यता

ज़ारी किए तारीख से 20 साल तक या आपके 50 साल की उम्र होने तक की अवधि के लिए लाइसेंस की मान्यता होनी चाहिए। 50 साल से ज्यादा उम्र वालों के लिए यह मान्यता केवल 5 साल के लिए ही दी जाती है।

यदि आपका लाइसेंस कमर्शियल यात्रियों या सामान की गाड़ी के लिए है तो उसे प्रति 3 साल में एक बार नवीनीकरण करना या जैसाकि लाइसेंस प्रदान करने वाले अधिकारी ने निर्धारित किया हो उसके अनुसार करना चाहिए।

ड्राइविंग लाइसेन्स को नवीनीकरण करना

ड्राइविंग लाइसेस का नवीनीकरण करना आपके उम्र पर निर्भर करता है। यदि आप 30 साल के हैं तो आप अपने 50 साल के उम्र तक के लिए लाइसेंस प्राप्त कर सकते हैं। यदि आप 45 साल या उससे ज्यादा के हैं तो एक समय में केवल 5 साल की अवधि के लिए नवीनीकरण कर सकते हैं।

मान्यता के खत्म होने के 30 दिनों के अंदर आपको अपने ड्राइविंग लाइसेन्स को नवीकृत करना चाहिए। लाइसेन्स की अवधि से 30 दिनों के बाद लाइसेन्स को नवीकृत किए बिना गाड़ी चलाना अपराध है।

आवश्यकताएँ

- फार्म नं. 9 में प्रार्थना पत्र।
- उम्र और घर के पते का प्रमाण।
- आवश्यकतानुसार चिकित्सा प्रमाण पत्र।
- आपका प्रस्तुत ड्राइविंग लाइसेन्स।
- पासपोर्ट साइज़ की फोटो – तीन प्रतियाँ।

खोये हुए लाइसेन्स के मामले में

लाइसेन्स के खो जाने पर तुरन्त रिपोर्ट कीजिए। एक डुप्लीकेट लाइसेन्स प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित पद्धति का अनुकरण कीजिए:

- लाइसेन्स के खो जाने की परिस्थिति के बारे में सभी विवरण देते हुए पुलिस स्टेशन को एक लिखित रिपोर्ट दीजिए।
- यदि कमर्शियल लाइसेन्स हो तो ट्रैफिक पुलिस से एक चालान क्लीयरेन्स रिपार्ट प्राप्त कीजिए।
- फार्म 6 में निवेदन पत्र को भरें।
- अपने खोये हुए लाइसेन्स की एक फोटोकॉपी संलग्न कीजिए।
- उम्र और घर के पते का प्रमाण।
- फीस जैसे प्रयुक्त।

अपनी सुरक्षा के लिए, हमेशा अपना ड्राइविंग लाइसेन्स साथ में रखिए या लाइसेन्स संख्या, तारीख और जिसने यह लाइसेन्स ज़ारी किया है उसका विवरण लिखकर रखिए।

» मोटार गाड़ी का पंजीकरण

पंजीकरण चिन्ह

जब तक एक गाड़ी को पंजीकृत करके, पंजीकरण संख्या प्राप्त नहीं की जाती तब तक उस गाड़ी को चलाया नहीं जा सकता।

पंजीकरण चिन्ह, परिवहन प्राधिकरण अधिकारी द्वारा निर्धारित संख्या को:

- मोटर गाड़ी के आगे और पीछे प्रदर्शित करना चाहिए।
- यह संख्या सुझाए गए साइज़ की होना चाहिए और एक उचित दूरी से स्पष्ट दिखाई देनी चाहिए।

अक्षरों का फैन्सी नाम से चित्रित करना गैर–कानूनी है और दंडनीय है!

संख्या के लिए आवेदन की गई गाड़ी पर **एप्लाइड फार** का प्लेट लगाकर चलाना मना है।

पंजीकृत नम्बरप्लेट में अक्षरों का साइज़, संख्याएँ और साथ ही उसका रंग कानून के निर्धारण के अनुसार होना चाहिए!

यह आवश्यक है कि आप नियमानुसार चलें ताकि किसी प्रकार की कानूनी कार्रवाई से बचे रहें।

'प्रदूषण नियंत्रित है' का प्रमाण पत्र

आपकी गाड़ी में एक मान्य प्रदूषण नियंत्रण का प्रमाणपत्र होना चाहिए। विभिन्न राज्यों की विभिन्न आवश्यकताएँ होती हैं जो गाड़ी के उत्पादन वर्ष और वर्ग को लेकर भिन्न होते हैं।

आवश्यकताओं का ज्ञान रखना महत्वपूर्ण है और राज्य के नियम और अधिनियमों का अनुपालन करना आवश्यक है।

वाहन के लिए फिट होने का प्रमाण पत्र

केवल सुरक्षित और अच्छी तरह व्यवस्थित गाड़ी को सड़क पर चलाने की अनुमति होती है। यदि एक गाड़ी 15 साल पुरानी है तो उसे सड़क पर चलाने लायक घोषित किए जाने के लिए यह जाँच 15 साल पुरानी सभी कार और वाहनों के लिए अनिवार्य है।

आवधिक जाँच और रखरखाव

केवल सड़क पर चलाने योग्य गाड़ी को ही सड़क पर चलाने की अनुमति दी जाती है। इसका मतलब है कि गाड़ी में सभी मेकैनिकल और इलैक्ट्रिकल पुर्जों को सही ढंग से काम करना चाहिए और वाहन को अच्छी तरह बनाए रखना चाहिए। प्रत्येक ड्राइवर कि यह जिम्मेदारी है कि अपनी गाड़ी को ठीक प्रकार बनाए रखें और गाड़ी को सुरक्षित और चालू स्थिति में रखें।

गाड़ी को हमेशा इस प्रकार से बनाए रखना चाहिए कि उसे किसी भी समय सुरक्षित रूप से चलाया जा सके। सुरक्षित ड्राइविंग के लिए ड्राइविंग के पहले जाँच करना और नियमित रूप से जाँच करना भी अत्यंत आवश्यक है। यदि आपको कोई खराबी महसूस होती है तो उसे ठीक किए बिना अपनी यात्रा शुरू मत कीजिए।

ड्राइविंग करते समय इन्स्ट्रूमेन्ट पेनल, शीशे और गाड़ी के बरताव पर लगातार ध्यान रखिए। यदि कोई सतर्कता की बत्तियाँ दिखाई देती हैं, या कोई इशारा महसूस होता है कि आपकी गाड़ी ठीक तरह से चल नहीं रही है या निर्धारित शर्तों में नहीं चल रही है तो गाड़ी को तुरंत रोककर खराबी की मरम्मत कीजिए।

यदि खराबी को पहचाना या हल नहीं किया जाता है तो इसका निर्णय लीजिए कि गाड़ी को सुरक्षित रूप से चलाया जा सकता है यदि नहीं तो निकट के मेकैनिक की कार्यशाला तक खींचकर ले जायें।

ड्राइविंग करने से पहले जाँच करना, पेट्रोल भरते समय नियमित रूप से जाँच करना और नियमित रूप से गाड़ी की सर्विस कराना आदि के द्वारा गाड़ी चलाते समय होने वाले खराबियों को कम किया जा सकता है और गाड़ी को बनाए रखने का खर्च भी कम किया जा सकता है।

जिम्मेदार ड्राइवर

वाहन का दुरुपयोग

यदि आप गाड़ी के मालिक नहीं हैं तो गाड़ी का दुरुपयोग मत कीजिए। जिस कार्य के लिए गाड़ी आपके पास दी गई है उसी के लिए इसका प्रयोग कीजिए और प्राधिकृत व्यक्ति के अलावा किसी और को गाड़ी चलाने मत दीजिए।

यदि कोई दुर्घटना हो जाती है तो तुरंत मालिक को सूचित कीजिए।

» भार लादना और चढ़ाना

गाड़ी की स्थिरता, नियंत्रण और संचारण को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण कारक लादना और चढ़ाना है। प्रत्येक गाड़ी में सामान लादने की विशिष्ट क्षमता और अधिकतम यात्रियों को बिठाने की क्षमता है।

उसकी क्षमता से ज्यादा लादने या चढ़ाने से गाड़ी को नुकसान पहुँच सकता है और गाड़ी नियंत्रण खो सकती हैं। इससे भयंकर परिस्थितियाँ उत्पन्न हो सकती हैं और ड्राइविंग के समय भी गाड़ी नियंत्रण खो सकती है।

सामान को लादना और परिवहन करना

- कभी गाड़ी पर ज्यादा भार मत लादिए। विशिष्ट सीमाओं को पार मत कीजिए (कि.ग्राम/लंबाई/चौड़ाई/ऊँचाई)।
- परिवहन के प्रत्येक सामान को उस स्थान पर रखना चाहिए जहाँ वह सुरक्षित रहेगा। यदि आवश्यकता हो तो उसे सुरक्षित और रस्सी से बाँधकर रखना चाहिए।
- कभी ढीली वस्तु जैसे औज़ार, लैपटॉप, पानी के बोतल आदि को पीछे के सीट के शेल्फ या पीछे के सीट पर असुरक्षित रूप से मत रखिए। यदि आप अचानक ब्रेक मारते हैं तो ये सामान कैबिन के चारों ओर बिखरकर भयानक उपकरण बनकर आपके या आपके सहायक को चोट पहुँचा सकता है। इसके कारण आप गाड़ी का नियंत्रण खो सकते हैं।
- भारी सामान को कार के अन्दर बूट में या डिक्की में रखना चाहिए।

- लदे हुए भार के कारण चारों तरफ देखने की आपकी दृष्टि में बाधा नहीं होनी चाहिए।
- यात्रियों और सामान को एक साथ परिवहन करते समय हमेशा सतर्क रहिए।
- कार के छत पर बने रैक का प्रयोग करते समय, यह निश्चित कीजिए कि वज़न के कारण छत को कोई हानि न पहुँचे। प्रत्येक गाड़ी और छत के रैक की सुरक्षित रूप से वज़न ढोने की एक क्षमता होती है। निश्चित कीजिए कि परिवहन किए जाने वाला सामान उचित रूप से सुरक्षित लदा हुआ हैं और ड्राइव करते समय अपने स्थान से गिरकर कार में बैठे यात्रियों या सड़क के अन्य उपयोगकर्ताओं को हानि तो नहीं पहुँचा रहा है।

चेतावनी

कार की छत पर अधिक भार लादने से कार असंतुलित हो सकती है और कार नियंत्रण खोकर दुर्घटनाग्रस्त भी हो सकती है। सार्वजनिक सुविधा और सुरक्षा ड्राइवर की जिम्मेदारियाँ हैं।

यात्रियों का परिवहन

यात्रियों के सुरक्षित परिवहन के लिए ड्राइवर उत्तरदायी है। सीटों की उपलब्धता या परिवहन क्षमता के अनुसार ही यात्रियों का परिवहन करना चाहिए।

वाहन पर अधिक भार लादने से गंभीर दुर्घटनाओं को बढ़ावा मिलता हैं।

ड्राइवर को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सभी यात्री अपनी–अपनी सीट बेल्ट पहने हुए हैं।

बच्चों का परिवहन

बच्चों का परिवहन करने के लिए उनके उम्र और वज़न के अनुसार सीट होनी चाहिए। बच्चों को आगे की सीट पर या बिना सीट बेल्ट के बैठने मत दीजिए।

» गाड़ी और यात्रियों की सुरक्षा

गाड़ी और यात्रियों को सुरक्षित रखना ड्राइवर का पहला कर्तव्य है।

चोरी लगातार बढ़ती जा रही हैं, विशेषकर शहरों में।

कार के चोर हमेशा नई और कीमती गाड़ियों पर एक नज़र रखते हैं, वे हमेशा अपने कार्य के लिए सरल तरीके अपनाते हैं और उनका लक्ष्य असुरक्षित गाड़ियाँ और अमीर यात्री होते हैं। घर में या कार्यालय में पार्क करते समय, यात्री हो या न हो हमेशा अतिरिक्त चेतावनी बरतनी चाहिए

ड्राइव करते समय और पार्किंग करते समय सावधानी

- ड्राइव करते समय हमेशा सभी दरवाज़ों को अन्दर से लॉक कीजिए।
- कभी भिखारियों पर ध्यान मत दीजिए। एक आपके ध्यान को खींचेगा और दूसरा आपकी मूल्यवान चीज़ों को ले जाएगा।
- जिस रास्ते पर आप गाड़ी चला रहे हैं हमेशा उसका अच्छा ज्ञान रखिए।
- अपनी यात्रा की योजना समय के अनुसार कीजिए।
- रात के समय केवल जाने–माने रास्ते में गाड़ी चलाइए।
- अनजाने व्यक्ति को कभी भी सवारी (लिफ़्ट) मत दीजिए।
- गाड़ी को केवल सुरक्षित/प्राधिकृत पार्किंग में ही पार्क कीजिए।
- अनजाने क्षेत्रों में जाते समय प्रामाणित गाइड की मदद लीजिए।
- स्थानीय पुलिस, एम्बुलेन्स और फायर स्टेशन के टेलीफोन संख्या अपने पास रखिए।

सभी खिड़कियों को बन्द करना मत भूलिए, सुरक्षा ताला लगाइए और चाबी को अपने साथ ले जाइए।